अध्याय
03

नात्सीवाद और हिटलर का उदय

नात्सीवाद या नाजीवाद जर्मन तानाशाह हिटलर की विचारधारा थी। यह विचारधारा सरकार और आम जनता के बीच एक नये रिश्ते के पक्ष में थी। इस के अनुसार सरकार की हर योजना में पहल हो परंतु वह योजना समाज की भागीदारी से चले। हिटलर जर्मनी को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने के लिए प्रतिबद्ध था। वह पूरे यूरोप को जीत लेना चाहता था।

प्रथम विश्व युद्ध धुरी राष्ट्र और मित्र राष्ट्र के बीच लड़ा गया। इस युद्ध में अमेरिका भी 1917 ईस्वी में मित्र राष्ट्रों में शामिल हो गया। इस युद्ध में मित्र राष्ट्रों के आगे केंद्रीय शक्तियों को नतमस्तक होना पड़ा। युद्ध के बाद जर्मनी के पराजित होने के बाद विजय देशों ने उस पर कठोर शर्तें थोप दी जो निम्नलिखित है—

1. जर्मनी से बहुत सारे उपनिवेश छीन लिए गए
2. जर्मनी से 10% आबादी छीन लिया गया
3. 13 प्रतिशत भू भाग ले लिया क्या
4. 75 प्रतिशत लोग ले लिया गया
5. जर्मनी की सेना भंग कर दी गई सेना
6. 6 अरब पौंड का जुर्माना उस पर लगाया गया।

युद्ध का असर

1. यूरोप युद्ध खत्म होते-होते कर्ज दारों का महाद्वीप बन गया।
2. युद्ध का हर्जाना नवजात वाइमर गणराज्य से वशूल किया जा रहा था।
3. जर्मनी को नवंबर के अपराधी कह कर मजाक उड़ाया गया।
4. युद्ध के बाद सिपाहियों को आम जनता के मुकाबले ज्यादा सम्मान दिया गया।
5. जर्मनी में भी रूस की तरह मजदूरों और नाविकों की सोवियत बनाई गई।
6. 1929 ई में यूरोप में महामंदी की शुरुआत हो गई यह मंदी 1932 ईस्वी तक रही।

4. हिटलर का उदय

1. हिटलर का जन्म 1889 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ था।
2. प्रथम विश्व युद्ध में उसने सैनिक का काम किया था।

© JCERT not to be republished

3. सेना में संदेशवाहक का काम करता था

4. प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी की पराजय ने हिला कर रख दिया

5. 1919 में उस ने जर्मन वर्कर्स पार्टी का गठन किया

6. जर्मन वर्कर्स पार्टी को नेशनल सोशलिस्ट पार्टी का नाम दिया गया और आगे चलकर इसे ही नाजी पार्टी का नाम दिया गया।

7. 1923 में हिटलर को बवेरिया में आक्रामक रूप के जुर्म में देशद्रोह के अपराध में गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में उसे रिहा कर दिया गया।

8. नाजी पार्टी 1930ई. के दशक में शुरुआती समय में जनता को अपनी तरफ आकर्षित करने में असफल रहा।

9. 1929 ई में चुनाव में नाजी पार्टी के केवल 2.6 वोट मिला ।

10. 1932 में नाजी पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उससे 37 फीस दी वोट मिले।

11. हिटलर लोगों को गोलबंद करने के लिए आडंबर और प्रदर्शन के महत्व को समझा।

12. स्वस्तिक लाल झंडा, नाजी से सेलुट और भाषण में खास अंदाज की ताली की गड़गड़ाहट यह सारी चीजें शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा थी।

5.जर्मनी के लोकतंत्र का अंत

1. 30 जनवरी 1933 को हिटलर जर्मनी का चांसलर बना।

2. सत्ता हासिल करने के बाद हिटलर लोकतांत्रिक शासन की संरचना और संस्थाओं को धन करना प्रारंभ किया।

3. 28 फरवरी 1933 को जारी अग्नि अध्यादेश के जरिए अभिव्यक्ति, प्रेस एवं सभा करने की आजादी जैसे नागरिक अधिकारों को उसने निलंबित कर दिया।

4. नाजियों ने कम्युनिस्टों के साथ-साथ 52 किस्म के लोगों को अपने दमन का निशाना बनाया।

5. 3 मार्च 1933 को जारी इनेबलिंग एक्ट के जरिए जर्मनी में तानाशाही स्थापित की गई।

6. इस कानून ने हिटलर को निरंकुश शासन करने का अधिकार दे दिया।

7. हिटलर ने गेस्तपों (गुप्तचर राज्य पुलिस), एस एस (अपराध नियंत्रण पुलिस) और सुरक्षा सेवा का गठन किया।

8. इन दोस्तों को असंवैधानिक अधिकार दिए गए और नाजी राज्य एक खूंखार राज्य की छवि प्राप्त किया।

प्रचार की कला

1. नाजी शासन में भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया गया।

2. नाजी विचारधारा को फैलाने के लिए तस्वीरों, फिल्म, रेडियो, पोस्टर, आकर्षक नारे और इश्तिहारों का सहारा लिया गया।

3. पूरे समाज को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए उन्होंने लोगों को इस बात का एहसास कराया कि उनकी

© JCERT not to be republished

समस्याओं का हाल सिर्फ नाजी ही कर सकते हैं।

आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध

1. जर्मनी के बहुत सारे लोग दुनिया को नाजी दृष्टिकोण से ही देखने लगे।
2. ये लोग यहूदियों के घर के बाहर निशान लगा देते थे और उनके बारे में पुलिस को सूचित कर देते थे।
3. पादरी नीम एलोर ने नाजियों के इस कुकृत्य का लगातार विरोध किया।
4. द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित होने के बाद दुनिया को जर्मनी में यहूदियों के खिलाफ हुए अन्याय के बारे में पता चला।
5. जर्मनी में यहूदियों के साथ इन कत्लेआम को महाधवंश (होलोकास्ट) भी कहा जाता है।
6. दुनिया के बहुत सारे हिस्सों में स्मृतिलेख, साहित्य, वृत्तचित्र, शायरी, स्मारक, संग्रहालय में महाधवंश का इतिहास और स्मृति आज भी जिंदा है।

नाजी जर्मनी में युवाओं की स्थिति

1. जर्मनी में जर्मन और यहूदी बच्चे एक साथ ना बैठ सकते थे और ना खेलकूद कर सकते थे।
2. अवांछित बच्चों को यानी यहूदियों, जिप्सी और विकलांग बच्चों को स्कूलों से निकाल दिया गया।
3. अच्छे जर्मन बच्चों को नाजी शिक्षा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था और इन बच्चों को सिखाया गया कि वे यहूदियों से नफरत और हिटलर की पूजा करें।
4. 10 साल की उम्र के बच्चों को यूंगफोक में दाखिल करा दिया गया।
5. 14 साल की लड़कों को हिटलर यूथ की सदस्यता लेनी पड़ती थी।
6. नाजी यूथ का गठन 1922 में हुआ था 4 साल बाद उससे हिटलर यूथ नाम दिया गया।

मातृत्व की नाजी सोच

1. नाजी राज्य में यह कहा जाता था कि जर्मन लड़कियों का यह फर्ज है कि एक अच्छी मां बनना और शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चों को जन्म देना।
2. जर्मनी में जो औरतें वांछित बच्चों को जन्म देते थे उन्हें इनाम दिया जाता था और आवंछित बच्चों को जन्म देने वाले महिलाओं को दंडित किया जाता था।
3. 4 बच्चों को पैदा करने वाली मां को कांसे का 6 बच्चों को जन्म देने वाली मां को को चांदी का और 8 या उससे ज्यादा बच्चों को जन्म देने वाली मां को सोने का त्यागा दिया जाता था।

हिटलर द्वारा जर्मनी का पुनर्निर्माण

1. हिटलर ने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए हालमार शाख़्त को अपना अर्थशास्त्री बनाया।
2. हालामार ने एक सौ फिसदी उत्पादन और एक सौ फिसदी रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया।
3. सुपर हाईवे और जनता की कार फॉक्सवैगन इस प्रयोजना की देन थी।
4. हिटलर ने 1933 ईस्वी में लीग ऑफ नेशंस से त्यागपत्र दे दिया।

© JCERT not to be republished

5. 1936 ईस्वी में राइनलैंड पर दोबारा कब्जा किया और 1938 ईस्वी में ऑस्ट्रिया को जर्मनी में मिला लिया गया।

6. इसके बाद उसने चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार किया।

7. विदेश नीति के मोर्चे पर हिटलर को इंग्लैंड की मदद मिल रही थी।

8. हालामार ने हिटलर को सरकारी बजट को घाटे से उबारने के लिए सेना और हथियारों पर ज्यादा पैसे खर्च न करने का सुझाव दिया हिटलर ने उससे उसके पद से हटा दिया।

9. हिटलर ने आर्थिक संकट से उबरने के लिए युद्ध का सहारा लिया और 1939ई में पोलैंड पर हमला कर दिया।

10. इसकी वजह से फ्रांस और इंग्लैंड के साथ उसका युद्ध शुरू हो गया।

11. 1941 में उसने सोवियत रूस पर आक्रमण किया।

12. 1945 में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर बम गिराने से द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया।

नाजियों का विश्व दृष्टिकोण

1. हिटलर के नजरिए के अनुसार जर्मन आर्य सबसे ऊपरी पायदान में थे, जबकि यहूदी सबसे निचले पायदान पर थे।

2. यहूदियों को नस्ल विरोधी यानी आर्यों का कट्टर शत्रु माना गया है।

3. नाजियो की दलील सरल थी जो नस्लें सबसे ताकतवर है वही जिंदा रहेंगी कमजोर नस्लें खत्म हो जाएगी। आर्य सर्वश्रेष्ठ है।

नसलवादी राज्य की स्थापना

1. नाजी शुद्ध और स्वच्छ आर्यों का समाज बनाना चाहते थे यह लोग वांछित कहलाते थे यहूदी अबंचित कहलाते थे।

2. यूथ नेजिया कार्यक्रम के अनुसार ऐसे लोगों को मौत के घाट उतारा गया।

3. नाजी यहूदियों को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानते थे यह यहूदी जिस बस्ती में रहते थे उससे दरवा कहां जाता था।

4. हिटलर ने 40- 45 के बीच यहूदियों के पोलैंड में बनाए गए गैस चैंबर में ले जाकर मार देने की रणनीति अपनाई।

5. युद्ध के साए में नाजी अपने नक्सलवादी कल्पना लोक या आदर्श विश्व के निर्माण में लग गए।

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. वीमर गणराज्य के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए?

उत्तर - प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी की हार के बाद वीमर गणराज्य अस्तित्व में आया। गणतंत्र का एक लोकतांत्रिक संविधान और एक संघीय ढांचा था। गणतंत्र को लोगों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त नहीं किया गया था।

वीमर गणराज्य को आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक सभी मोर्चों पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। प्रथम विश्व युद्ध में हार के लिए जिम्मेवार ठहराया गया था। गणतंत्र को युद्ध का हर्जाना देना पड़ा और इसने गणतंत्र को गहरे वित्तीय

© JCERT not to be republished

संकट में डाल दिया। जर्मनी ने बड़े पैमाने पर ऋण लेकर युद्ध लड़ा था और उससे सोने में युद्ध का भुगतान करना पड़ा था। इसके बाद सोने के भंडार में कमी आई और जर्मन मार्क का मूल्य गिर गया। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई। वीमर गणराज्य को राजनीतिक मोर्चे पर भी समस्याओं का सामना करना पड़ा। संविधान में कई खामियां थी संविधान ने राष्ट्रपति को आपातकाल लगाने नागरिक अधिकारों को निलंबित करने और डिक्री द्वारा शासन करने की शक्तियां दी थी। वीमर गणराज्य मैं थोड़े समय के भीतर 20 अलग-अलग कैबिनेट थे। शीघ्र ही लोगों का लोकतंत्र शासन प्रणाली में विश्वास उठ गया।

प्रश्न 2. चर्चा करें कि 1930 तक जर्मनी में नाजीवाद क्यों लोकप्रिय हो गया?

उत्तर - 1930 तक जर्मनी में नाजीवाद निम्नलिखित तरीके से लोकप्रिय हो गया—

1. अर्थव्यवस्था राजनीति और समाज में संकट के कारण हिटलर का उदय हुआ। वह 1919 ईस्वी में जर्मन वर्कर्स पार्टी में शामिल हो गए, उन्होंने इसका नाम बदलकर नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी कर दिया। इससे ही नाजी पार्टी के नाम से जाना जाने लगा।
2. महामंदी के दौरान नाजीवाद एक जन आंदोलन बन गया। 1929 के बाद बैंक बंद हो गए श्रमिकों की नौकरी चली गई और मध्यम वर्ग को गरीबी का खतरा था। नाजी प्रचार ने लोगों को बेहतर भविष्य कि आशा दी। 1932 तक नाजी पार्टी 37 प्रतिशत मतों के साथ जर्मनी में सबसे बड़ी पार्टी बन गई।
3. हिटलर एक शक्तिशाली वक्ता था। वह लोगों का ध्यान अपनी और खींच सकता था। उस ने जर्मनी को एक मजबूत राष्ट्र बनाने, वर्साय की संधि के अपमान को मिटाने और जर्मनी की गरिमा को बहाल करने का लोगों से वादा किया। उन्होंने युवाओं के लिए रोजगार और बेहतर भविष्य का वादा किया।
4. हिटलर शोबिज के महत्व को समझा। उसने विशाल रैलियां आयोजित की। हिटलर के समर्थन और लोगों में एकता स्थापित करने के लिए जनसभाएं आयोजित की गई। स्वास्तिक के साथ लाल बैनर, नाजी सलामी, तालियों का अनुष्ठान दसभी बैठकों का हिस्सा था। हिटलर को एक उद्धार करता के रूप में पेश किया गया था। जो सभी दुखों को समाप्त करेगा और जर्मनी और जर्मन लोगों की गरिमा को बहाल करेगा।

प्रश्न 3. नात्सी सोच की विशिष्ट विशेषताएं क्या है?

उत्तर - नात्सी सोच की विशिष्ट विशेषताएं निम्नलिखित हैं—

1. लोगों के बीच समाज में कोई समानता नहीं है।
2. नार्डिक जर्मन आर्य सर्वश्रेष्ठ नस्ल थे।

© JCERT not to be republished

3. यहूदियों को सबसे कम नस्ल माना जाता था।

4. नजीबाद योग्यतम के अस्तित्व में विश्वास करता था।

5. मातृभूमि को बढ़ाने के लिए नए प्रदेशों पर कब्जा करना आवश्यक था।

6. नए क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों में वृद्धि करेंगे और जर्मनी को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाएंगे।

7. जब नाजी पार्टी सत्ता में आई तो उसने इन विचारधाराओं को लागू करना शुरू कर दिया।

प्रश्न 4. स्पष्ट करें कि यहूदियों के लिए घृणा पैदा करने में नाजी प्रचार प्रभावी क्यों था?

उत्तर - जर्मनी में यहूदियों के लिए घृणा पैदा करने में नाजी प्रचार प्रभारी था इसके निम्नलिखित कारण थे—

1. नाजी जर्मनी में यहूदी सबसे बड़े दुश्मन बने रहे ।यहूदियों के लिए हिटलर की नफरत वैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित थी कि धर्मांतरण उनके के लिए कोई समाधान नहीं था बल्कि उन्हें खत्म करना पड़ा। 1933 से 1938 तक अलग कर दिया गया था। 1939 से 1945 तक उन्हें कुछ क्षेत्रों में रखा गया था और अंत में वे पोलैंड के गेस कमरों में मारे गए थे।

2. नाजी सोच को लोकप्रिय बनाने के लिए मीडिया का विशेष इस्तेमाल किया गया था। उनके विचारों को फिल्म, रेडियो, पोस्टर, स्लोगन और पत्रक के माध्यम से लोकप्रिय बनाया गया। यहूदियों पर बनी सबसे कुख्यात फिल्म द ईटरनल ज्यू थी।

3. यहूदियों को बढ़ती दाढ़ी और कप्तान पहने दिखाया गया उन्हें कीड़े, चूहे और कीट कहा जाता था । नाजीवाद ने लोगों की सोच पर काम किया और उनके क्रोध और घृणा को अवांछनीय की ओर मोड़ दिया।

4. पोस्टरों में से एक में एक यहूदी को पैसे के बड़े बैग पर बैठे दिखाया गया है ।कैप्शन में लिखा है पैसा यहूदियों का भगवान है। पैसा कमाने के लिए वह सबसे बड़ा अपराध कर सकता है।

प्रश्न 5. बताएं कि नाजी समाज में महिलाओं की क्या भूमिका थी । फ्रांसीसी क्रांति के अध्याय1 को लौटे। दो अवधियों में महिलाओं की भूमिका की तुलना और तुलना करते हुए एक अनुच्छेद लिखें?

उत्तर - नाजी में जर्मनी की महिलाओं को पुरुषों से अलग माना जाता था। नाजियों को पुरुषों और महिलाओं के समान अधिकारों में विश्वास नहीं था। उन्हें लगता था कि समान अधिकार समाज को नष्ट कर देगा ।युवतियों को अच्छी मां बनने घर की देखभाल करने और शुद्ध रक्त वाले आर्य बच्चों को पालने के लिए कहा गया। निर्धारित आचार संहिता से विचलित होने वाली महिलाओं को कड़ी से कड़ी सजा दी जाती थी।

नाजी जर्मनी में महिलाओं के विपरीत फ्रांस में महिलाओं ने फ्रांस की क्रांति के दौरान खुद को मुखर

© JCERT not to be republished

किया। महिलाओं ने पुरुषों के समान अधिकार की मांग की। सरकार ने महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कानून लाए। लड़कियों के लिए शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया। नाजी महिलाओं के विपरीत जो महिलाएं अपने घरों तक ही सीमित थी उन महिलाओं को क्रांति के दौरान काम करने और व्यवसाय चलाने की स्वतंत्रता दी गई थी। फ्रांस की महिलाओं ने भी वोट देने का अधिकार हासिल किया, जो उनके नाजी समकक्ष को नहीं दिया गया था।

प्रश्न 6. नात्सी राज्य ने किन तरीकों से अपने लोगों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया?

उत्तर— हिटलर 1933 में जर्मनी का चांसलर बने उन्होंने अपने लोगों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए कई कानून पारित किए। 28 फरवरी 1933 को फायर डिक्री पारित की गई थी।

1. डिक्री ने भाषण प्रेस उस सभा की स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया एकाग्रता शिविर स्थापित किए गए और कम्युनिस्टों को वहां भेजा गया।

2. अन्य सभी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

3. नाजी पार्टी ने अर्थव्यवस्था मीडिया सीना और न्यायपालिका पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया और अब हिटलर तमाशा बन गया।

4. लोगों को नियंत्रित करने के लिए विशेष निगरानी और सुरक्षा बलों का गठन किया गया था। पुलिस गैसतापों, एसएस और सुरक्षा सेवा को नाजियों की तरह समाज को नियंत्रित करने और व्यवस्थित करने के लिए असाधारण शक्तियां दी गई पुलिस बलों ने दंड से मुक्ति के साथ शासन करने की शक्तियां करने की शक्तियां हासिल की और जल्द ही नाजी राज्य ने अपने लोगों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. हिटलर का जन्म किस देश में हुआ था?

प्रश्न 2. अमेरिका प्रथम विश्व युद्ध में कब शामिल हुआ था

प्रश्न 3. वर्साय की संधि किस देश के साथ की गई थी?

प्रश्न 4. हिटलर जर्मनी का चांसलर कब बना?

प्रश्न 5. जर्मनी में इनेबलिंग एक्ट कब पारित किया गया था?

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. वर्साय की संधि की मुख्य विशेषताएं क्या थी?

प्रश्न 2. प्रथम विश्व युद्ध के बाद सैनिकों को आम नागरिकों के मुकाबले ज्यादा महत्व क्यों दिया जाता था?

प्रश्न 3. 1929 ई की आर्थिक महामंदी का जर्मनी पर क्या प्रभाव पड़ा?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. वाईमर गणराज्य के सामने क्या समस्याएं थी?

© JCERT not to be republished

प्रश्न 2. जर्मनी में नाजीवाद की लोकप्रियता के मुख्य क्या कारण थे?

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर

1. ऑस्ट्रिया
2. 1917 ईसवी
3. जर्मनी
4. 30 जनवरी 1930 ई
5. 3 मार्च 1933 ई

© JCERT not to be republished